

'kgjhdj .k dk i ; kbj .k ij çHkko&, d Hk&ksfyd vè; ; u

M,- Jherh fdj .k dèkj

I g çkè; ki d

'kkl - , e dch dyk , oaof.kT; efgyk egkfo |ky;] tcyij ½-i½

### Abstract ½ kj½

आधुनिक युग में शहरीकरण आर्थिक विकास का एक अनिवार्य चरण बन चुका है। विश्व स्तर पर तीव्र गति से बढ़ती शहरी जनसंख्या ने पर्यावरणीय संसाधनों पर अत्यधिक दबाव उत्पन्न किया है। प्रस्तुत शोध पत्र में शहरीकरण से उत्पन्न सामाजिक आर्थिक एवं पर्यावरणीय प्रभाव, जैसे वायु एवं जल प्रदूषण का बढ़ना, ठोस अपशिष्ट का निबटान समस्या, हरित क्षेत्र में कमी, जैसी समस्याओं पर भौगोलिक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। यह अध्ययन द्वितीय आंकड़ों पर आधारित है तथा सतत विकास की अवधारणा के अंतर्गत समाधान प्रस्तुत करता है।

ef; 'kln & वैश्विकरण, विकासशील, सतत विकास, पलायन, जनसहभागिता शहरीकरण, पर्यावरण आदि।

